एयर कनेक्टिविटी

यूपी के विकास की नई उड़ान

> भारत, विश्व भर के बौद्ध समाज की श्रद्धा का, आस्था का केंद्र, है। आज कुशीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट की ये सुविधा, उनकी श्रद्धा को अर्पित पुष्पांजलि है। भगवान बुद्ध के ज्ञान से लेकर महापरिनिर्वाण तक की संपूर्ण यात्रा का साक्षी ये क्षेत्र आज सीधे दुनिया से जुड़ गया है।
>
> **नरेन्द्र मोदी**, प्रधानमंत्री

> दशकों पहले जो सपना कुशीनगर के लोगों ने देखा था, प्रधानमंत्री जी ने उन सपनों को विकास की एक नई उड़ान दी है। कुशीनगर की यह नई उड़ान पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा समीपवर्ती राज्य को विकास के क्षेत्र में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेगी।
>
> **योगी आदित्यनाथ**
> मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

75 प्रमुख शहरों के लिए सीधी हवाई सेवाएं

उत्तर प्रदेश में वर्ष 1947 से 2014 तक सिर्फ दो एयरपोर्ट फंक्शनल थे, लखनऊ और वाराणसी। राज्य की हवाई कनेक्टिविटी 15 से 16 शहरों तक की ही सीमित थी। पर, आज प्रदेश में कुशीनगर नौवें एयरपोर्ट के रूप में क्रियाशील है। साथ ही यूपी के हवाई अड्डों से 75 प्रमुख शहरों के लिए सीधी हवाई सेवाएं संचालित हो रही हैं। उड़ान योजना के तहत सरकार की मंशा है कि आम आदमी भी हवाई जहाज की यात्रा कर सके। बेहतर हुई एयर कनेक्टिविटी से यह संभव हुआ है।

रमेश वर्मा

भगवान बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली कुशीनगर में 260 करोड़ रुपये की लागत और 589 एकड़ में निर्मित 'कुशीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट' का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया। इसके संचालन से दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों से सीधे अंतर्राष्ट्रीय कनेक्टिविटी होने से अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या में 20 प्रतिशत तक की वृद्धि होगी। पूर्वांचल में पर्यटन विकास के साथ ही नये रोजगार के अवसर भी प्रोत्साहित होंगे। स्थानीय उद्योगों एवं उत्पादों को वैश्विक पहचान मिलेगी।

प्रदेश का सबसे लंबा रनवे

कुशीनगर एयरपोर्ट का रनवे उत्तर प्रदेश में संचालित हवाई अड्डों में सबसे लंबा है। इस एयरपोर्ट के रनवे की लंबाई 3,200 मीटर व चौड़ाई 45 मीटर है। रनवे की लम्बाई के मामले में वाराणसी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा दूसरे स्थान पर है।

पर्यटन विकास : निवेश एवं रोजगार

श्रीलंका, जापान, ताइवान, दक्षिण कोरिया, चीन, थाईलैंड, वियतनाम, सिंगापुर आदि दक्षिण पूर्व एशियाई देशों से सीधे अंतर्राष्ट्रीय कनेक्टिविटी

पर्यटकों को कुशीनगर पहुंचने में होगी आसानी

बौद्ध सर्किट के लुम्बनी, बोधगया, सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती, राजगीर, संकिशा एवं वैशाली की यात्रा पर्यटक पहले से कम समय में पूरी कर सकेंगे

पूर्वांचल में पर्यटन विकास के साथ रोजगार के बढ़ेंगे अवसर

स्थानीय उद्योगों एवं उत्पादों को मिलेगी वैश्विक पहचान

स्पाइसजेट के नेटवर्क में शामिल हुआ कुशीनगर

स्पाइसजेट ने कुशीनगर हवाई अड्डे को अपने उड़ान गंतव्य के तौर पर शामिल किया है। इससे कुशीनगर स्पाइसजेट की उड़ानों के माध्यम से दिल्ली, मुंबई और कोलकाता से जुड़ जाएगा। दिल्ली के लिए पहली फ्लाइट 26 नवंबर, मुंबई और कोलकाता के लिए फ्लाइट 18 दिसंबर 2021 से शुरू होगी। दिल्ली-कुशीनगर-दिल्ली सेक्टर पर फ्लाइट का किराया 3,662 रुपये से शुरू होगा। इस रूट पर स्पाइसजेट की उड़ानें सप्ताह में 4 दिन सोमवार, बुधवार, शुक्रवार और रविवार को संचालित होंगी।

आसान होगी थाईलैंड व खाड़ी देशों की यात्रा

कुशीनगर एयरपोर्ट संचालित होने से पूर्वांचल के लोगों की थाईलैंड और खाड़ी देशों की यात्रा आसान होगी। समय के साथ ही किराये में भी बचत होगी।

कुशीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट

2,745
मीटर के साथ बनारस एयरपोर्ट का रनवे प्रदेश का अब दूसरा सबसे लंबा

3.2
किलोमीटर लंबा कुशीनगर एयरपोर्ट का रनवे, 45 मीटर चौड़ाई

8
फ्लाइट की क्षमता प्रतिघंटा है रनवे की, चार जहाज खड़े हो सकते हैं एप्रन पर

300
यात्री प्रति घंटे क्षमता है एयरपोर्ट टर्मिनल की पीक ऑवर में

260
करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुआ है, 589 में फैला है यह एयरपोर्ट

जेवर एयरपोर्ट

ग्रेटर नोएडा के जेवर में 5,000 हेक्टेयर में विकसित होने वाला नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई-अड्डा उत्तर भारत के सबसे बड़े हवाई अड्डों में से एक होगा। राष्ट्रीय राजधानी परिक्षेत्र (एनसीआर) में दूसरा हवाई-अड्डा होगा, जिससे आईजीआई हवाई अड्डे पर ट्रैफिक के भार में कमी आएगी। हवाई अड्डे के साथ एमआरओ/कार्गो कॉम्पलेक्स और एयरोट्रोपोलिस एवं एकीकृत टाउनशिप जैसी परियोजनाओं पर काम किया जा रहा है।

यूपी होगा 5 इंटरनेशनल एयरपोर्ट वाला पहला राज्य

केन्द्र और राज्य सरकार ने प्रदेश में औद्योगिक केन्द्रों के साथ ही नागरिकों को लाभान्वित करने के लिए वायुमार्ग नेटवर्क एवं अवस्थापना सुविधाओं में अभूतपूर्व विस्तार किया है। लखनऊ एवं वाराणसी में अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा तथा कुशीनगर में नवीन अंतर्राष्ट्रीय हवाई-अड्डा, जेवर में नोएडा ग्रीन फील्ड इंटरनेशनल एयरपोर्ट और अयोध्या अंतर्राष्ट्रीय हवाई-अड्डा के साथ उत्तर प्रदेश शीघ्र ही पांच इंटरनेशनल एयरपोर्ट वाला देश का एकमात्र राज्य बन जाएगा। इससे राज्य में अंतर्राष्ट्रीय गंतव्यों के लिए उड़ानें बढ़ेंगी और विदेशी व्यापार एवं पर्यटन प्रोत्साहित होगा।

सी-प्लेन सेवा भी जल्द

वाराणसी-गोरखपुर-वाराणसी रूट पर सी-प्लेन सेवा शुरू करने की योजना पर काम चल रहा है। यह यूपी में सी-प्लेन का पहला मार्ग होगा। वाराणसी से गोरखपुर के अलावा प्रदेश के धार्मिक शहरों प्रयागराज, अयोध्या, मथुरा, चित्रकूट सहित अन्य शहरों को सी-प्लेन से जोड़े जाने की योजना है।

11 नए एयरपोर्ट पर काम

उत्तर प्रदेश में 11 नए एयरपोर्ट पर काम हो रहा है। अयोध्या और नोएडा में इंटरनेशनल एयरपोर्ट की कार्य प्रक्रिया को युद्ध स्तर पर आगे बढ़ाया जा रहा है। लखनऊ, वाराणसी और कुशीनगर से अंतर्राष्ट्रीय उड़ान की सुविधा नागरिकों को मिल रही है। अयोध्या इंटरनेशनल एयरपोर्ट वर्ष 2022 और जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निर्माण वर्ष 2024 में पूरा करने का लक्ष्य है।

तेजी से हो रहा हवाई सेवा का विस्तार

क्रियाशील

- लखनऊ
- गोरखपुर
- कानपुर
- आगरा
- प्रयागराज
- बरेली
- वाराणसी
- हिंडन
- कुशीनगर

ये कतार में

- अयोध्या
- अलीगढ़
- आजमगढ़
- श्रावस्ती
- मुरादाबाद

यहां भी योजना

- चित्रकूट
- सोनभद्र
- झांसी
- मेरठ
- सहारनपुर
- ललितपुर

क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना

इस योजना के अन्तर्गत 25 से अधिक घरेलू वायुमार्गों का विकास किया जा रहा है, जिनमें आगरा, कानपुर, अलीगढ़, बरेली, चित्रकूट व झांसी आदि सम्मिलित हैं। इससे इन नगरों के निकट औद्योगिक, शैक्षिक और चिकित्सकीय केन्द्रों को एयर कनेक्टिविटी उपलब्ध होगी।

हिन्दुस्तान मीडिया मार्केटिंग इनीशिएटिव